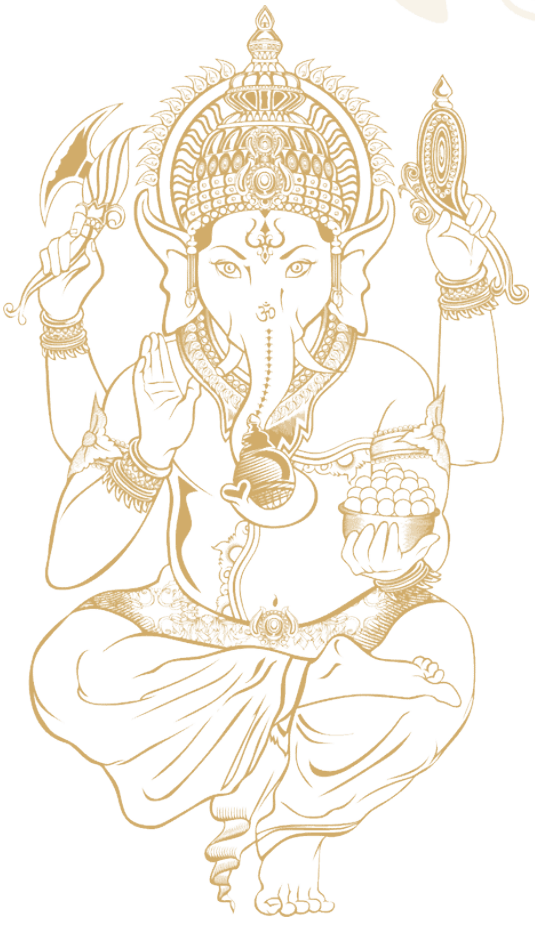

Siddharth Mishra

Shivani kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120906802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/05/2005	जन्म तिथि	18-19/01/2002
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 22:00:00	जन्म समय	05:01:00 घंटे
घटी 42:24:04	जन्म समय(घटी)	55:46:53 घटी
India	देश	India
Bettiah	स्थान	Narkatiaganj
26:49:00 उत्तर	अक्षांश	27:06:00 उत्तर
84:30:00 पूर्व	रेखांश	84:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:08:00	स्थानिक संस्कार	00:07:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:22	सूर्योदय	06:42:50
18:34:28	सूर्यास्त	17:22:15
23:55:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 11मा 6दि	23:03:53	धनु	लग्न	धनु	08:31:30	शनि 17वर्ष 2मा 7दि
राहु	05:49:04	वृष	सूर्य	मक	04:49:28	बुध
27/04/2011	25:21:45	कन्या	चंद्र	मीन	04:36:21	28/03/2019
27/04/2029	20:11:29	कुंभ	मंगल	मीन	06:08:16	27/03/2036
राहु 07/01/2014	20:30:13	मेष	बुध व	मक	20:36:08	बुध 24/08/2021
गुरु 02/06/2016	15:21:58	कन्या व	गुरु व	मिथु	14:26:47	केतु 21/08/2022
शनि 09/04/2019	18:59:00	वृष	शुक्र	मक	05:53:59	शुक्र 21/06/2025
बुध 26/10/2021	29:28:48	मिथु	शनि व	वृष	14:31:31	सूर्य 27/04/2026
केतु 14/11/2022	28:24:15	मीन	राहु व	मिथु	02:46:07	चन्द्र 27/09/2027
शुक्र 13/11/2025	28:24:15	कन्या	केतु व	धनु	02:46:07	मंगल 23/09/2028
सूर्य 08/10/2026	16:34:33	कुंभ	हर्ष	मक	29:29:00	राहु 12/04/2031
चन्द्र 08/04/2028	23:40:23	मक व	नेप	मक	14:13:00	गुरु 18/07/2033
मंगल 27/04/2029	29:52:07	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:45:23	शनि 27/03/2036

लग्न-चलित

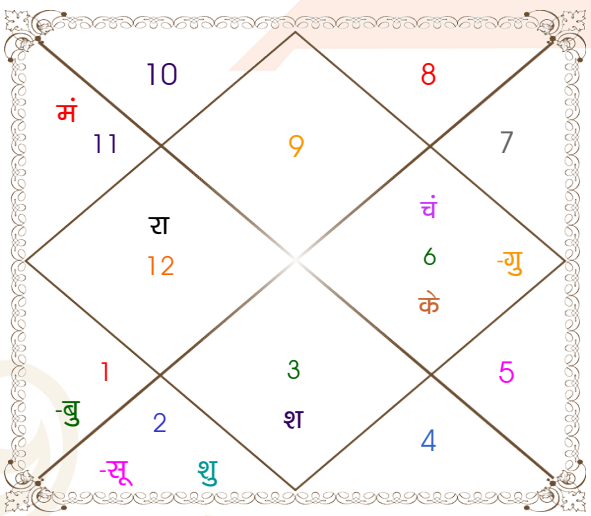

लग्न-चलित

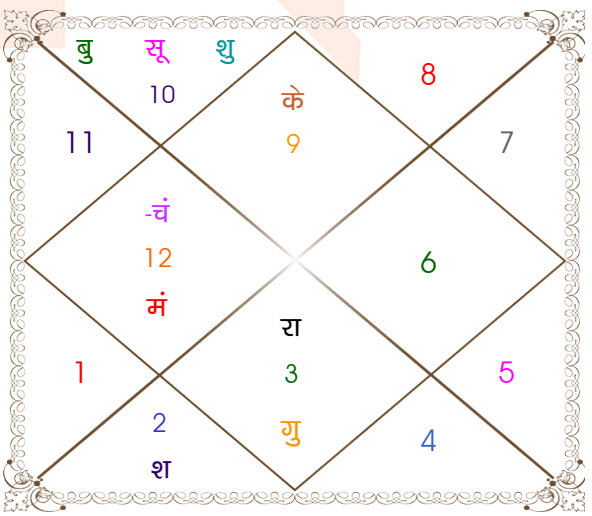

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	10.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ैपककींतजी डपींतं का वर्ग मूषक है तथा ैपअंदप ानउंतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैपककींतजी डपींतं और ैपअंदप ानउंतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ैपककींतजी डपींतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ैपअंदप ानउंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ैपअंदप ानउंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ैपकक्षीतजी डपीतं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैपकक्षीतजी डपीतं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैपकक्षीतजी डपीतं तथा ीपअंदप ाउंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।